



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

26/2

सं. 3] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 26, 1987/फाल्गुन 7, 1908
No. 3] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 26, 1987/PHALGUNA 7, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

प्रवृत्तिसूचना

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1987

का. नि. मा. 6(अ) :—केन्द्रीय सरकार, तटरक्षक अधिनियम, 1978
(1978 का 30) की धारा 123 की उपधारा (1) और उपधारा (2)
के खंड (ख) और (ग) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न
लिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

भाग 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम
तटरक्षक (ज्येष्ठता और प्रोत्तति) नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा प्रमे-
क्षित न हो, -

(क) "अधिनियम" से तटरक्षक अधिनियम, 1978 (1978 का
30) अभिप्रेत है;

(ख) "वृत्तिक" से नाविक व्यूरो का भारसाधक अधिकारी अभिप्रेत
है।

(ग) "तटरक्षक क्षेत्र" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—

(i) तटरक्षक क्षेत्र पश्चिम जिसके अंतर्गत गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक,
केरल राज्य और गोवा, वमण और दीव तथा लक्षद्वीप संघ
राज्यक्षेत्र के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ तटीय क्षेत्र और भारत
का सामुद्रिक क्षेत्र है;

(ii) तटरक्षक क्षेत्र, पूर्व, जिसके अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश, उड़ीसा, तमिल-
नाडु, पश्चिमी बंगाल राज्य और पांडिचेरी संघ राज्यक्षेत्र के
तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ तटीय क्षेत्र और भारत का सामुद्रिक
क्षेत्र है; और

(iii) अंबमान और निकोबार द्वीप तटरक्षक क्षेत्र जिसके अंतर्गत
अंदमान और निकोबार द्वीप संघ राज्यक्षेत्र के तटीय क्षेत्रों
के साथ-साथ भारत का सामुद्रिक क्षेत्र है :-

(घ) सरकार से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है।

(ङ) उन सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं
किन्तु परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, क्रमशः वही
अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

भाग 2

ज्येष्ठता और प्रोत्तति नियम-अधिकारी

3. आचारिक तारीख :—तटरक्षक सेवा में पद ग्रहण करने पर सभी
अधिकारियों की आचारिक तारीख आबद्धि की जाएगी। यह तारीख वह

तारीख होगी जिसको किसी व्यक्ति को तदर्थक पोत/प्राधिकरण को रिपोर्ट करने के लिए बुलाया जाता है, या वह तारीख होगी जिसको वह वस्तुतः रिपोर्ट करता है या प्रशिक्षण के आरम्भ की तारीख होगी इनमें से जो भी पश्चात्तवर्ती हो। आधारीक तारीख तदर्थक में उसकी सेवा के अवधारण के लिए उपयोग की जाएगी।

4. अधिकारियों की ज्येष्ठता :—(क) उच्चतर रैंक धारण करने वाले सभी अधिकारी निम्नतर रैंक धारण करने वाले अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे।

(ख) किसी विशिष्ट रैंक में,—

- (i) किसी शाखा के किसी विशिष्ट रैंक में प्रोन्नत अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता गृणागुण जन्म के अनुसार, जो विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा तैयार किया जाएगा, अवधारित की जाएगी। किन्तु किसी विशिष्ट रैंक में अधिकारियों की परस्परिक ज्येष्ठता उस रैंक में अधिष्ठायी प्रोन्नति की तारीख के अनुसार अवधारित की जाएगी और जहाँ दो या उससे अधिक अधिकारी एक ही दिन को किसी रैंक में प्रोन्नत किए जाते हैं वहाँ उनकी ज्येष्ठता पूर्ववर्ती रैंक में उनकी ज्येष्ठता के अनुसार अवधारित की जाएगी। यदि वह भी एक ही पाई जाती है तो आधारीक तारीख और अन्ततः जन्म की तारीख विनिश्चयाक आधार होगी, और आयु में जो बड़ा होगा उसे ज्येष्ठ माना जाएगा।
- (ii) अधिष्ठायी रैंक धारण करने वाले अधिकारी कार्यकारी रैंक धारण करने वाले अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे। इसी प्रकार, कार्यकारी रैंक धारण करने वाले अधिकारी, स्थानापन्न रैंक धारण करने वाले अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे।
- (iii) कार्यकारी या स्थानापन्न हैसियत में किसी रैंक में नियुक्त अधिकारियों की ज्येष्ठता, अधिष्ठायी रैंक में ज्येष्ठता के अनुसार अवधारित की जाएगी।

5. स्थायी रूप से प्रामेयित अधिकारियों, पुनः नियोजित अधिकारियों और सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों की ज्येष्ठता—

- (1) (क) उप महानिरीक्षक के रैंक में स्थायी रूप से प्रामेयित अधिकारियों की ज्येष्ठता भारतीय नौसेना में एडिष्ठायी कैप्टन के रैंक के प्रदान किए जाने की तारीख से या तदर्थक में उप महानिरीक्षक के रैंक के प्रदान किए जाने की तारीख से इनमें से जो भी पूर्वतर हो, अवधारित की जाएगी।
- (ख) कमांडेंट के रैंक में स्थायी रूप से प्रामेयित अधिकारियों की ज्येष्ठता, उस तारीख से, जो अधिष्ठायी कमांडर के रैंक में पूरी सेवा और भारतीय नौसेना में सेफ्टीमेंट कमांडर के रैंक में सेवा के 50% को, जो अधिकतम 4 वर्ष तक होगी, हिसाब में रैंक के पश्चात् आए, या तदर्थक में कमांडर का रैंक प्रदान किए जाने की तारीख से इनमें से जो भी पूर्वतर हो, अवधारित की जाएगी, कमांडेंट के रैंक में प्रामेयित सेफ्टीमेंट कमांडरों की ज्येष्ठता कमांडेंट का रैंक प्रदान करने की तारीख से, पूर्ववर्ती तारीख के रूप में, भारतीय नौसेना में सेफ्टीमेंट कमांडर के रैंक में उनकी सेवा के 50% तक जो अधिकतम 4 वर्ष तक होगी, अवधारित की जाएगी।
- (ग) उप कमांडेंट के रैंक में स्थायी रूप से प्रामेयित अधिकारियों की ज्येष्ठता भारतीय नौसेना में पाँच वर्ष की कमीशन सेवा पूरी होने की तारीख से अवधारित की जाएगी।
- (घ) सहायक कमांडेंट के रैंक में स्थायी रूप से प्रामेयित अधिकारियों की ज्येष्ठता भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अवधारित की जाएगी।

(2) पुनर्नियोजित अधिकारियों की ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप में अवधारित की जाएगी, अर्थात् :—

- (क) उप महानिदेशक भारतीय नौसेना में कैप्टन के अधिष्ठायी रैंक में प्रोन्नति की तारीख।
- (ख) कमांडेंट भारतीय नौसेना में कमांडर के अधिष्ठायी रैंक में प्रोन्नति की तारीख।
- (ग) उप कमांडेंट भारतीय नौसेना में 5 वर्ष की कमीशन सेवा के पूरा होने की तारीख।
- (घ) सहायक कमांडेंट भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त करने की तारीख।

टिप्पण : भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्ति की तारीख और तदर्थक में पुनर्नियुक्ति की तारीख के बीच अन्तराल होने की वशा से, इस अवधि को अधिष्ठायी रैंक में ज्येष्ठता की गणना करने के प्रयोजन के लिए, काट लिया जाएगा।

(3) सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों और अधिकारी रैंक में प्रोन्नत अव्यावैशित कर्मियों की ज्येष्ठता यथास्थिति, आरंभिक प्रशिक्षण के दौरान या महानिदेशक द्वारा यथाविहित विभागीय परीक्षा में अभिप्राप्त अंकों के आधार पर अवधारित की जाएगी।

6. प्रोन्नति के लिए प्राधिकारी :—सभी अधिकारियों की प्रोन्नति के लिए प्राधिकारी केन्द्रीय सरकार होगी और विभागीय प्रोन्नति समिति का गठन भर्ती नियमों में जैसा उपबन्धित है उसके अनुसार किया जाएगा।

7. प्रोन्नति नियम :—(क) अधिकारी अपनी उप शाखाओं में, जिनके वे हैं, होने वाली रिक्तियों के विशद प्रोन्नति के लिए पात्र होंगे।

(ख) उप कमांडेंट के रैंक में अधिकारियों की प्रोन्नति, उपयुक्तता के अधीन रखते हुए, उनकी ज्येष्ठता के आधार पर की जाएगी।

(ग) कमांडेंट और उससे ऊपर के रैंक में अधिकारियों की प्रोन्नति ज्येष्ठता का सम्यक ध्यान रखते हुए, गृणागुण के आधार पर की जाएगी।

(घ) कमांडेंट और उससे ऊपर के रैंक में अधिकारियों की प्रोन्नति कार्यकारी आधार पर होगी। वे, उच्चतर रैंक में एक वर्ष की अवधि के लिए समाधानप्रद रूप में सेवा करने पर, उनकी प्रोन्नति की तारीख से पुष्ट किए जाएंगे। सेवा का निर्धारण अधिकारियों को दी गई वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार किया जाएगा।

8. स्थानापन्न प्रोन्नति :—कहाविदेशक, सरकार के पूर्ण अनुमोदन से किसी अधिकारी को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए, स्थानापन्न उच्चतर रैंक प्रदान कर सकेगा :—

- (क) जहाँ छुट्टी, प्रतिनियुक्ति, प्रशिक्षण आदि के कारण कोई अल्पकालिक रिक्ति सृष्ट की जाती है और विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा प्रोन्नति के लिए अनुमोदित कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं है।
- (ख) स्थानापन्न प्रोन्नतियाँ केवल उप महानिदेशक के रैंक तक ही होंगी।
- (ग) इस नियम के अधीन स्थानापन्न रैंक के लिए, आरम्भिक रूप में संदाय नहीं किया जाएगा और उसके लिए जाने की तारीख से उच्चतर रैंक वाली नियुक्ति में झूठी के निरन्तर इक्कीस दिन के पश्चात् संदाय किया जाएगा।
- (घ) कोई अधिकारी, जिसे स्थानापन्न रैंक प्रदान किया गया है, उस रैंक में कोई ज्येष्ठता का दावा करने का हकदार नहीं होगा।
- (ङ) कोई अधिकारी, जिसे स्थानापन्न रैंक प्रदान किया गया है, उस रैंक पर नहीं रह जाएगा, जब वह उस नियुक्ति पर नहीं रह जाता है जिसके लिए उस रैंक प्रदान किया गया था।

- (ख) केवल ऐसे अधिकारी, जिन्होंने अगले रैंक के लिए अपेक्षित निम्नतम सेवा पूरी कर ली है, इस प्रोन्नति के लिए पात्र होंगे।
- (घ) प्रोन्नति, सामान्यतः, उनी पोत/स्थापन स्टेशन के अधिकारियों में से की जाएगी।

9. स्थानीय रैंक : महानिदेशक, जब भी सेवा के बेहतर काम काज के हित में उसके द्वारा आवश्यक समझा जाए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, तटरक्षक के किसी भी अधिकारी को कोई स्थानीय उच्चतर रैंक प्रदान कर सकेगा :-

- (क) अधिकारी, समावेशन का प्रयोग करेगा और उसमें रैंक धारण करने वाले अधिकारी की एंक्रियता निहित होगी।
- (ख) अधिकारी ऐसा रैंक धारण करने के लिए कोई अतिरिक्त वेतन और भत्तों के लिए हकदार नहीं होगा।
- (ग) अधिकारी ऐसा रैंक धारण करने के आधार पर तटरक्षक के अन्य अधिकारियों पर किसी भी श्रेष्ठता का दावा करने का हकदार नहीं होगा।
- (घ) वह अधिकारी, जिसे स्थानीय रैंक प्रदान किया गया है, उस रैंक पर नहीं रह जाएगा जब वह उन नियुक्ति पर नहीं रह जाता है, जिसके लिए उसे रैंक प्रदान किया गया था।

10. प्रोन्नति के लिए अर्हताएं : संबंध रैंकों के लिए, तटरक्षक की विभिन्न शाखाओं में, प्रोन्नति के लिए अर्हताएं उपाब्ध 1, 2 और 3 में दी गई हैं। इन अर्हताओं से संबंधित साधारण नियम निम्नलिखित हैं :-

- (1) सेवा : उस समय को छोड़कर, जिसके लिए वेतन अनुज्ञात नहीं है, जैसे कि अभिरक्षण के दौरान समय की हानि, अभिरक्षण के लिए विचारण के लिए प्रतीक्षा, असाधारण छुट्टी या वह समय जिसके दौरान कोई भी व्यक्ति किसी भी कारण से सेवा से बाहर रहा है, उस रैंक में तटरक्षक में की गई संपूर्ण सेवा को अर्हक सेवा के रूप में संगणित किया जाएगा।
- (2) रक्षा सेवाओं के अधिकारियों की प्रोन्नति के लिए पूर्ववर्ती सेवा का गणना :- (क) स्थायी रूप से आमेसित : (i) उन सहायक कमान्डेंटों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, उनकी संपूर्ण कमीशन सेवा की उपकमान्डेंट के रैंक में प्रोन्नति के लिए गणना की जाएगी।
- (ii) उन उप कमान्डेंटों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, उनकी संपूर्ण कमीशन सेवा की कमान्डेंट के रैंक में प्रोन्नति के लिए गणना की जाएगी।
- (iii) उन कमान्डेंटों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, कमान्डर के रैंक में पूर्ववर्ती सेवा, यदि कोई हो, पूरी सेवा को और लैफ्टिनेंट कमान्डर के रैंक में पूर्ववर्ती सेवा के 50%, जो अधिक से अधिक 4 वर्ष तक होगी उप-महानिरीक्षक के रैंक में प्रोन्नति के लिए गणना में ली जाएगी।
- (iv) उन उप महानिरीक्षकों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, भारतीय नौसेना में कैप्टन के रैंक में पूर्ववर्ती सेवा, महानिरीक्षक के रैंक में प्रोन्नति के लिए पूर्णतः गणना में ली जाएगी।

(ख) पुनर्नियोजित : पुनर्नियोजित अधिकारियों की दशा में, पुनर्नियोजन की तारीख से उनकी सेवा प्रारम्भिक के प्रयोजनों के लिए गणना में ली जाएगी।

टिप्पण : बिकल्प प्रमाणपत्र पर दी गई या सिविल अमान्ति के कारण पदग्रहण करने में व्यक्ति की असमर्थता के कारण या अध्ययन करने

के प्रयोजन के लिए जो लोकहित में प्रमाणित किया गया हो, असाधारण छुट्टी अर्हक सेवा के रूप में गणना में ली जाएगी।

(3) समुद्र सेवा : समुद्र सेवा में, संगत उपाब्ध में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए स्थायी छुट्टी पर किसी तटरक्षक पोत पर की गई छुट्टी सम्मिलित होगी। प्रशासनिक सुविधा के लिए यह समुद्र सेवा निरंतर सेवा नहीं हो सकेगी और अब तक संपूर्ण अवधि, न्यूनतम अनुबंधित समुद्र सेवा गठित नहीं करती है जब तक यह समझा जाएगा कि उसने अत्यावश्यक अपेक्षा को पूरा कर लिया है।

(4) तैराकी : तैराकी परीक्षण पास करना, बुनियादी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में अर्हता के लिए एक अत्यावश्यक शर्त होगी। वे अधिकारी जो इस पाठ्यक्रम के पूरा होने पर तैराकी परीक्षण में अर्हित नहीं होंगे, सेवान्मुक्त किए जा सकते हैं।

(5) प्रशिक्षण और अग्रिम स्थितियों पर कार्रवाई :

सेवा में प्रवेश करने पर, संबंधित शाखाओं के अधिकारी समय समय पर महानिदेशक द्वारा यथाविनिर्दिष्ट बुनियादी प्रशिक्षण, तकनीकी पाठ्यक्रम और विशेषज्ञता सफलतापूर्वक करेंगे। असफलता के परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

(i) बुनियादी परीक्षण :

परीक्षा में असफलता के मामले में महानिदेशक को विचारार्थ निवेदन, किए जाएंगे। जो परीक्षा में असफल होंगे। महानिदेशक के विवेकानुसार उन विषय या उन विषयों में, जिसमें वे असफल रहे हैं और पुनः परीक्षा, दी गई है, उन्हें और प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन अधिकारियों में से ऐसे अधिकारी, जो महानिदेशक की राय में, और प्रशिक्षण से लाभान्वित नहीं होंगे, अनुपयुक्त के रूप में सेवान्मुक्त किए जा सकेंगे। जो परीक्षा में दूसरे प्रयास में असफल होंगे, अनुपयुक्त के रूप में सेवान्मुक्त किए जा सकते हैं।

(ii) तकनीकी पाठ्यक्रम : किसी एक पाठ्यक्रम में अधिक से अधिक दोषियों में असफल रहने वाले अधिकारियों को, किन्तु जो उस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण अंक प्राप्त करते हैं, और प्रशिक्षण दिया जाएगा और उस विषय या उन विषयों में, जिनमें वे असफल रहे हैं, पुनः परीक्षा ली जाएगी।

पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण अंक प्राप्त करने में असफल रहने वाले या दो से अधिक विषयों में असफल रहने वाले अधिकारियों से, पुनः संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने की अपेक्षा की जाएगी।

तकनीकी पाठ्यक्रमों में असफल रहने वाले अधिकारियों की परीक्षा का हटाना, नीचे दी गई अवधि की समाप्त तक विलम्बित किया जाएगा :-

- (क) चार सप्ताह की अवधि दो मास से अधिक का पाठ्यक्रम
- (ख) चार सप्ताह या उससे एक मास कम अवधि के पाठ्यक्रम

पुनः परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अधिकारियों को "उत्तीर्ण" वर्ग दिया जाएगा और पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम उत्तीर्ण अंक दिए जाएंगे।

वे, जो अपने दूसरे प्रयास में परीक्षा में असफल होंगे, अनुपयुक्त के रूप में सेवान्मुक्त किए जा सकते हैं।

(iii) अहाजरानी बोर्ड (केवल सामान्य कर्तव्य अधिकारियों के लिए) :- ऐसे सहायक कमान्डेंटों (सामान्य कर्तव्य) से जो अहाजरानी बोर्ड में अर्हित होने में असफल रहते हैं पंचावर्ती पाठ्यक्रम के साथ प्रशिक्षण की इस अवस्था को दोहराने की अपेक्षा की जाएगी। उन्हें 90 मास तक परीक्षा से हटाने में भी विलम्ब किया जाएगा। जो दूसरे प्रयास में भी असफल रहते हैं उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवान्मुक्त किया जा सकता है।

(iv) विशेषज्ञता पाठ्यक्रम (केवल विद्युत/इंजीनियरी विशेषज्ञता वाले तकनीकी अधिकारियों के लिए) :— ऐसे विद्युत/इंजीनियरी विशेषज्ञता रखने वाले तकनीकी अधिकारियों को, जो विशेषज्ञता पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों की अंतिम परीक्षा में असफल रहते हैं उन्हें किसी अवधि के लिए पूर्वरिपति में रखा जाएगा, जिसकी समाप्ति पर उनकी पुनः परीक्षा ली जाएगी। ऐसे अधिकारियों को छह मास तक उनकी परीक्षा हटाने से भी विलम्बित किया जाएगा। इन विशेषज्ञता पाठ्यक्रमों की परीक्षा में दोबारा असफल रहने वाले अधिकारी को अनुपयुक्त के रूप में सेवानुसृत किया जा सकता है।

(v) पहरेदारी प्रमाणपत्र (केवल सामान्य कर्तव्य अधिकारियों के लिए) :— ऐसे सहायक कमान्डेंट (सामान्य कर्तव्य) जो अपने आरम्भिक प्रशिक्षण के पूरा होने पर पहरेदारी प्रमाणपत्र प्राप्त करने में असफल रहते हैं, उनसे कमान ऑफिसर/अफिसर बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई अवधि के लिए प्रशिक्षण की इस व्यवस्था को जारी रखने की अपेक्षा की जाएगी और उनकी पुनः परीक्षा ली जाएगी। किन्तु ऐसी अवधि छह माह से अधिक नहीं होगी। उन्हें परीक्षा से हटाना तदनुसार विलम्बित किया जाएगा। जो पुनः परीक्षा में अर्हित होने में असफल रहते हैं उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवानुसृत किया जा सकता है।

(vi) वायुयान कर्मीवल परिवर्तन (केवल सामान्य कर्तव्य, विमान चालक/नौसंचालक) :— ऐसे सहायक कमान्डेंट (सामान्य कर्तव्य) विमान चालक/नौसेना चालक, जो वर्ग में वायुयान कर्मीवल परिवर्तन पूरा करने में असफल रहते हैं, उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवानुसृत किया जा सकता है।

(vii) इंजन कक्ष पहरेदारी प्रमाणपत्र/विद्युत विशेषज्ञता का सक्षमता प्रमाणपत्र : (सहायक कमान्डेंट तकनीकी इंजीनियरी/विद्युत) का दिया जाना :— ऐसे सहायक कमान्डेंट (तकनीकी) से, जो अपने तैरने के प्रशिक्षण के दौरान इंजन कक्ष पहरेदारी-प्रमाणपत्र/विद्युत विशेषज्ञता की सक्षमता के प्रमाणपत्र प्राप्त करने में असफल रहते हैं, उनसे कमान अफसर/अफसर बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई अवधि के लिए प्रशिक्षण की इस अवधि को जारी रखने की अपेक्षा की जाएगी। किन्तु ऐसी अवधि छह मास से अधिक नहीं होगी। उन्हें परीक्षा से हटाया जाता तदनुसार विलम्बित किया जाएगा। जो पुनः परीक्षा में अर्हित होने में असफल रहते हैं उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवानुसृत किया जा सकता है।

11. प्रशिक्षण सागत का प्रतिदाय :

यदि तटरक्षक को किसी भी शाखा से कोई अधिकारी प्रशिक्षण के किसी भी प्रक्रम पर अलग होने के लिए अनुरोध करता है या परिवीक्षीय अवधि के दौरान त्यागपत्र देता है और ऐसा अनुरोध या त्याग पत्र सरकार द्वारा स्वीकार किया जाता है, तो उससे पूर्णतः या भागतः प्रशिक्षण की सागत, जो सरकार द्वारा अवधारित की जाएगी, और वेतन तथा भत्तों के रूप में सरकार से प्राप्त सभी धन, उक्त रकम पर ब्याज सहित, जो सरकारी ऋणों के लिए प्रवृत्त वर पर संगणित किया जाएगा, प्रतिवाय करने की अपेक्षा की जाएगी।

12. परीक्षा :—

(क) सेवा में प्रवेश करने पर सीधे भर्ती किए गए अधिकारी सुसंगत भर्ती नियमों में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए या ऐसे समय तक जब अधिकारी अपना वृत्तिक प्रशिक्षण पूरा करता है, तैराकी परीक्षण उत्तीर्ण करता है, सामान्य कर्तव्य शाखा में पहरेदारी-प्रमाणपत्र के लिए जाने सामान्य कर्तव्य विमान चालक/नौसंचालक शाखा में (विंग) के लिए जाने, दिए गए इंजन कक्ष पहरेदारी-प्रमाणपत्र/तकनीकी शाखा के क्रमशः इंजीनियरी और विद्युत विशेषज्ञताओं में विद्युत विशेषज्ञता के लिए गए सक्षमता प्रमाणपत्र या ऐसे अन्य पाठ्यक्रम के लिए, जो महानिदेशक द्वारा विहित किए जाएं, इन में से जो भी बाय का हों, अर्हित हो जाता है, परीक्षा पर रहेगा।

(ख) परीक्षा अवधि को, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, एक वर्ष तक सुसंगत भर्ती नियमों में विनिर्दिष्ट अवधि से परे, बढ़ाया जा सकता है।

(ग) जब तक किसी परिवीक्षाधीन को परिवीक्षा के समाधानप्रद रूप में पूरा करने के कोई विनिर्दिष्ट आवेश जारी नहीं किए जाते हैं, तब तक ऐसे परिवीक्षाधीन के बारे में माना जाएगा कि वह परिवीक्षा पर बना है।

13. प्रोन्नति से इंकार करना :—

सामान्यतः किसी भी अधिकारी को प्रोन्नति से इंकार करने की अनुशा नहीं दी जाएगी। किन्तु, ऐसा इंकार विशेष परिस्थितियों के अधीन सरकार के अनुमोदन से अनुज्ञात किया जा सकेगा। यदि बाय में, अधिकारी प्रोन्नत किए जाने की बांछा करता है तो उससे, अपने कमान अफसर और अपने प्रशासनिक प्राधिकारी के माध्यम से इस बारे में महानिदेशक को आवेदन प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाएगी और उम मामले पर प्रोन्नत व्यक्तियों के अगले दैव के साथ-साथ विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा उसके गुणगुण के आधार पर विचार किया जाएगा। ऐसा आवेदन, इंकार की तारीख के एक वर्ष के पश्चात् ही प्रस्तुत किया जा सकता है।

14. स्वस्थता :—

अधिकारी का, प्रोन्नति की तारीख को, स्वास्थ्य प्रवर्ग एम-1-ए-1, एम-2-ए-1 या एम-2-ए-2 में होना आवश्यक है। ऐसे अधिकारियों के मामले, जो अस्थायी या स्थायी रूप से स्वास्थ्य प्रवर्ग एम-3-ए-1, एम-3-ए-2 और एम-3-ए-3 में रखे गए हैं, प्रशासनिक प्राधिकारों के मध्यम से महानिदेशक को भर्ज जाएंगे और प्रत्येक मामले पर गुणगुण के आधार पर विचार किया जाएगा। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाहियों के साथ ऐसी सभी सिफारिशें हानि चाहिए जिनमें उक्त तारीख का भी होना आवश्यक है, जिसको विभागीय प्रोन्नति समिति ने प्रोन्नति के लिए व्यक्ति का अनुमोदन किया है।

15. निम्नतर स्वास्थ्य प्रवर्ग अधिकारी :—

ऐसे अधिकारियों पर जो स्वास्थ्य प्रवर्ग एम-4-ए-4 में रखे गए हैं, नियम 14 में अधिष्ठित प्रक्रिया के अनुसार विचार किया जाएगा, जो उस पुनर्निर्दिष्ट स्वास्थ्य प्रवर्ग पर निर्भर करेगा, जिसमें वे अस्वस्थता से छुट्टी होने पर रखे गए हैं।

16. गलत प्रोन्नति :—

यदि यह पाया जाता है कि कोई अधिकारी गलती से प्रोन्नत किया गया (उदाहरणार्थ, जब उसे प्रोन्नत किया तब वह पूर्णतः प्रोन्नति के लिए अर्हित नहीं था) तो प्रोन्नति को रद्द किया जा सकेगा। गलत प्रोन्नति की अवधि के लिए किए गए अधिक संवायों को वसूल किया जाएगा।

भाग 3

प्रोन्नति नियम-अध्याबेशित व्यक्ति :—

17. प्राधार्मिक तारीख :—तटरक्षक सेवा में सेवा प्रारंभ करने पर सभी कार्मिकों को प्राधार्मिक तारीख प्राबन्धित की जाएगी। यह वह तारीख होगी, जिसको किसी व्यक्ति को तटरक्षक वीस/प्राधिकारों के समक्ष रिपोर्ट करने के लिए बुलाया जाता है या वह तारीख होगी, जिसको वह ससुतः रिपोर्ट करता है या प्रशिक्षण के प्रारंभ होने की तारीख, इन में से जो भी पश्चात्पक्षी हो। प्राधार्मिक तारीख का उपयोग तटरक्षक में उसकी सेवा का अवधारण करने के लिए किया जाएगा।

18. ज्येष्ठता :—(1) अध्याबेशित व्यक्तियों की ज्येष्ठता का विनिश्चय, संबंधित शाखाओं के लिए प्राधार्मिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के पूरा होने पर तैयार की गई गुणगुण सूचकां के आधार पर किया जाएगा।

(2) एक शाखा में किसी विशिष्ट रैंक में प्रोन्नत अभ्यावेष्टित व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता, गुणगुणा के क्रम के अनुसार, जो विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा तैयार की जाएगी, अवधारित की जाएगी। किन्तु किसी विशिष्ट रैंक में अभ्यावेष्टित व्यक्तियों का पारस्परिक ज्येष्ठता उस रैंक में प्रोन्नति की तारीख के अनुसार अवधारित की जाएगी। और यदि वह भी वही हो, तो वह पूर्ववर्ती रैंक या रैंकों में ज्येष्ठता के अनुसार अवधारित की जाएगी। यदि वह वही हो, तो जन्म की तारीख विनिश्चय का आधार होगा और जो आयु में बड़ा होगा वही ज्येष्ठ होगा।

(3) सेना/नौसेना/वायु सेना से स्थानान्तरण पर अभ्यावेष्टित व्यक्तियों की ज्येष्ठता, कटरक्षक में स्थानान्तरण की तारीख से या संबंधित भर्ती नियमों के उपबन्धों के अनुसार इनमें से जो भी लागू हो, विषय का जाएगा।

(4) पुनर्नियोजित अभ्यावेष्टित व्यक्तियों की ज्येष्ठता उस रैंक में पुनर्नियोजित की तारीख से अवधारित की जाएगी।

19. प्रोन्नति नियम :—(1) अभ्यावेष्टित व्यक्ति घाते की राह में जिसके वे हैं, होने वाले रिक्तियों के विरुद्ध प्रोन्नति के लिए पात्र होंगे।

(2) अभ्यावेष्टित व्यक्तियों की प्रोन्नति, संबंधित भर्ती नियमों में यथा अनुबंधित चयन/प्रत्ययन पद्धति द्वारा की जाएगी।

20. प्रोन्नति के लिए अर्हताएं :—असंबंधित रैंकों के लिए कटरक्षक की विभिन्न शाखाओं में प्रोन्नति के लिए अर्हताएं उपबन्ध 4 से 11 में दी गई हैं। इन अर्हताओं से संबंधित साधारण नियम निम्नलिखित हैं :—

(1) सेवा :—कटरक्षक में संपूर्ण सेवा को, उस रैंक में, उस समय की छोड़कर जिसके लिए वेतन अनुज्ञात नहीं किया गया है, जैसे कि काराबान, निरोध, अभित्यजन, अभित्यजन के लिए विचारण के लिए प्रतीक्षा, असाधारण छुट्टी के दौरान नष्ट किया गया समय, या वह समय जिसके दौरान कोई व्यक्ति किसी कारण से सेवा से बाहर रहा है, अर्हक सेवा के रूप में गणना में लिया जाएगा।

टिप्पणी :—(1) चिकित्सा प्रमाणपत्र पर दो गई या सिबिल अशान्ति के कारण पद ग्रहण के लिए व्यक्ति को असमर्थता के कारण या अध्ययन करने के प्रयोजन के लिए, जो लोक हित में प्रमाणित हो, असाधारण छुट्टी को अर्हक सेवा के रूप में गणना में लिया जाएगा।

(2) सेना/नौसेना/वायुसेना में की गई सेवा को भी ऐसा कि भर्ती नियमों में उल्लिखित है उसके अनुसार गणना में लिया जाएगा। सामान्यतः एक शाखा से किसी अन्य शाखा में अंतरण नाविकों को, उस शाखा में, जिसमें वे अंतरित किए जाते हैं, प्रोन्नति के प्रयोजनों के लिए उनकी पूर्ववर्ती शाखा के सेवा काल की गणना में नहीं लिया जाएगा किन्तु, निम्नलिखित अपवाद हो सकेंगे, अर्थात् :—(i) जहां अंतरण सेवा की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया है, (ii) जहां अंतरण चिकित्सीय आधार पर किया गया है, (iii) जहां किसी व्यक्ति को अनुपयुक्त पाए जाने पर, शाखा के परिवर्तन के पश्चात् उसे मूल शाखा को प्रत्यावर्तित किया जाता है। (iv) जहां अंतरण उभी शाखा की विशेषताओं के बीच होता है, जैसे कि नाविक (सामान्य कर्तव्य) : नाविक या मंडार सहायक।

(2) बहुत अच्छा आचरण :—विभिन्न रैंकों में प्रोन्नति के लिए आवश्यक बहुत अच्छे आचरण की न्यूनतम अवधि उपबन्ध 4 से 11 में दी गई है।

(3) विभागीय परीक्षाएं :—संबंधित रैंकों और शाखाओं के लिए उपबन्ध 4 से 11 में जैसा अनुबंधित है उसके अनुसार, वृत्तिक परीक्षा या वृत्तिक और विशेषज्ञ परीक्षा में उत्तीर्ण होना, विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण माना जाएगा।

(4) समुद्र सेवा : समुद्र सेवा के अस्तित्व में संगत उपबन्ध में विनिश्चित अवधि के लिए स्थायी कर्तव्य पर किसी कटरक्षक पोत के फलक पर किया गया कर्तव्य आता है। प्रशासनिक सुविधा के लिए यह समुद्र सेवा लगातार सेवा नहीं भी हो सकती है, और जब तक संपूर्ण अवधि न्यूनतम अनुबंधित समुद्र सेवा गठित करती है, तब तक इसे अव्यावश्यक अपेक्षा पूरी करने वाली समझा जाएगा।

(5) तैराकी :—किसी व्यक्ति को, जिसने तैराकी परीक्षण उत्तीर्ण नहीं किया है, विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा प्रोन्नति के लिए सिफारिश की जा सकती है और इस बात के अधीन प्रोन्नत किया जा सकेगा कि वह इस परीक्षण को शीघ्रतापूर्वक उत्तीर्ण करेगा और उस दशा में उसे उम्मीद रैंक में अपनी मूल ज्येष्ठता के अनुसार प्रोन्नत किया जाएगा। ऐसे अभ्यावेष्टित व्यक्ति, जो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक के पूर्व परीक्षण उत्तीर्ण नहीं करने हैं उनकी मूल ज्येष्ठता समग्र हो सकती है और उन्हें प्रोन्नति के लिए पात्र अन्य कार्मिकों के साथ नए सिरे से विचार में लिया जा सकता है।

21. प्रोन्नति के लिए प्राधिकारी :—प्रोन्नति/पुष्टि/परिबीक्षण अवधि के बढ़ाने के लिए सिफारिश विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा की जाएगी। विभागीय प्रोन्नति समिति, इस संबंध में समय समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेषज्ञ व्यक्तियों के प्रवर्गों के लिए किए जाने वाले आरक्षण आयु सीमा शिथिलीकरण और अन्य रियायतों पर विचार कर सकेगी। विभागीय प्रोन्नति समिति के लिए अधिकारियों का नाम निर्देशन, कटरक्षक मुख्यालय द्वारा यथा निर्दिष्ट संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लिया जाएगा। प्रोन्नति/पुष्टि/परिबीक्षण अवधि बढ़ाए जाने की संसूचना, महानिदेशक द्वारा, विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियों के अनुमोदन के पश्चात् वृत्तिक द्वारा की जाएगी।

22. नेतृत्व-पाठ्यक्रम :—नेतृत्व-पाठ्यक्रम में अर्हित होना, प्रधान नाविक से अधिकारी और प्रधान यांत्रिक से सहायक इंजीनियर में प्रोन्नति के लिए अव्यावश्यक है।

23. परीबीक्षा :—परीबीक्षा की अवधि, संबंधित भर्ती नियमों में जैसा अनुबंधित है उसके अनुसार होगी। जब तक किसी परीबीक्षाधीन व्यक्ति को परीबीक्षा के समाधानप्रव रूप में पूरा करने के बारे में कोई विनिश्चित आदेश जारी नहीं किया जाता है, तब तक ऐसे परीबीक्षाधीन व्यक्ति को परीबीक्षा पर बना रहना मना जाएगा।

परीबीक्षा की अवधि, विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर नियुक्त प्राधिकारी द्वारा दो वर्ष की अवधि तक बढ़ाई जा सकती है। चार वर्ष के परे परीबीक्षा का विस्तार सरकार के अनुमोदन से किया जाएगा। ऐसे अभ्यावेष्टित व्यक्ति, जो परीबीक्षा अवधि को समाधानप्रव रूप में पूरा नहीं करते हैं, अपने पूर्ववर्ती रैंक में प्रत्यावर्तित या सेवाभुक्त किए जा सकते हैं।

24. अनुपयुक्तता के लिए प्रत्यावर्तन :—ऐसे उपरम नाविक/उत्तम यांत्रिक और उससे ऊपर, जो ज्ञान के अभाव में या असमर्थता के कारण अपने कर्तव्यों का पालन पर्याप्त रूप में करने में असमर्थ है या जिन्हें उच्चतम रैंक के लिए अनुपयुक्त समझा जाता है, निम्नतर रैंक में प्रत्यावर्तित किए जा सकते हैं।

25. प्रत्यावर्तन :—प्रत्यावर्तन बंध नहीं है और इसे किसी अपराध के संबंध में कार्यवाई करने के साधन के रूप में भी उपयोग नहीं किया जाएगा किन्तु ऐसे अपराध या अपराधों का स्वरूप जिनके लिए कोई अभ्यावेष्टित कार्मिक दंडित किया गया है, ऐसा है जो यह वसित करता है

कि ऐसा व्यक्ति उस रैंक के लिए जो वह धारण किए हुए है वृत्तिम रूप से अनुपयुक्त है, उस वक्ता में नीचे दी गई प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रत्यावर्तन पर विचार किया जा सकता है।

26. प्रत्यावर्तन की सीमाएं :—कोई भी अध्यावेशित व्यक्ति किसी एक समय अपने रैंक में एक रैंक से अधिक अवतरत नहीं किया जाएगा।

27. प्रत्यावर्तन के लिए प्राधिकार :—सभी मामलों में प्रत्यावर्तन का प्राधिकार, महानिदेशक के निहित होगा।

28. प्रक्रिया :—(1) सामान्य प्रक्रिया, जब कोई अध्यावेशित व्यक्ति ज्ञान या योग्यता का अभाव दर्शाता है या अनुपयुक्त प्रतीत होता है (अनुशासनिक कार्रवाई के अन्तर्गत आने वाले कारणों से भिन्न), यह है कि उसका उसके विभागाध्यक्ष द्वारा साक्षात्कार किया जाएगा। उसे, उसके कर्मियों को सूचित किया जाएगा और जहां प्रत्यावर्तन अनुद्घात है वहां, लिखित रूप में उसे औपचारिक रूप से सूचित किया जाएगा कि यदि कोई सुधार नहीं होता है तो उसका मामला प्रत्यावर्तन के उद्देश्य से कमान अफसर को रिपोर्ट किया जाएगा।

(2) जहां साक्ष्य अपराध का स्वरूप ऐसा हो जो यह दर्शाता है कि अध्यावेशित व्यक्ति अपने रैंक के लिए या तो वृत्तिक रूप से या अनुशासनिक कार्रवाई के अन्तर्गत आने वाले कारणों से भिन्न, कारणों से, अनुपयुक्त है, वहां उस मामले में उप नियम (1) में अधिकृत प्रक्रिया का अनुसरण किए बिना, कमान अफसर द्वारा कार्यवाई की जाएगी।

(3) कमान अफसर उन सभी मामलों का, जिसमें प्रत्यावर्तन का प्रश्न है और औपचारिक रूप में अन्वेषण करेगा। अध्यावेशित व्यक्ति को, यदि वह ऐसा इच्छा व्यक्त करता है तो उसे किम्वं अधिकारी की सहायता अपने मामलों के प्रतिरक्षा के लिए अनुरोध किया जाएगा। यह आवश्यक नहीं है। ऐसा अधिकारी अध्यावेशित व्यक्ति का शिबीजन अफसर हो। कमान अफसर प्रशासनिक प्राधिकारी और वृत्तिक के आ-साक्षक अधिकारियों को सलाह के अधीन महानिदेशक को प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन करे, और अध्यावेशित व्यक्ति को तदनुरूप सूचित किया जाएगा। अध्यावेशित व्यक्ति का सेवा पुस्तिका का ऐसे आवेदनों के साथ होना आवश्यक है।

(4) प्रत्यावर्तन के लिए कोई आवेदन प्राप्त होने पर, प्रशासनिक प्राधिकारी यह निदेश देगा कि अध्यावेशित व्यक्ति विचारण की और अवधि के लिए उसी या किसी अन्य पोत में सेवा करेगा, यदि उसका विचार है कि यह इतिरिक्त सेवा, न्यायोचित है। उसके पश्चात् प्रशासनिक प्राधिकारी, अध्यावेशित व्यक्ति की वृत्तिक सक्षमता का निर्धारण करने के लिए तीन अधिकारियों का एक बोर्ड गठित करेगा, और कमान अफसर की सिफारिशों के साथ अपनी सिफारिशों, महानिदेशक को प्रस्तुत करेगा।

जहां, महानिदेशक द्वारा प्रत्यावर्तन का अनुमोदन हो जाता है, वहां निम्नलिखित की सूचना कमान अफसर द्वारा अध्यावेशित व्यक्ति को दी जाएगी; यही प्रत्यावर्तन के प्रवर्तन की तारीख होगी।

29. प्रत्यावर्तन के पश्चात् प्रान्ति :—अध्यावेशित व्यक्ति को उसके प्रत्यावर्तन के छह मास के पश्चात् उसके मूल रैंक में पुनःस्थापन के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति के सक्षम प्रस्तुत किया जाएगा। कमान अफसर की सिफारिशों के आधार विभागीय प्रोन्नति समिति, प्रोन्नति के लिए अध्यावेशित व्यक्ति की उसकी मूल जेष्ठता के आधार पर सिफारिश कर सकेगी। ऐसे सभी मामलों में, ऐसा व्यक्ति कम से कम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेगा। प्रत्यावर्तन के पूर्व उच्चतर रैंक में की गई सेवा की अवधि रैंक प्रतिस्थापित किए जाने के पश्चात् आगामी प्रोन्नति के लिए गणना में ली जाएगी।

30. महानिदेशक द्वारा प्रोन्नति :—महानिदेशक सीमित संख्या में प्रतिभावांशाली अध्यावेशित अधिकारियों को, यद्यपि वे पूर्णतः अहित भी न हों, और जिनकी उच्चतर रैंक के लिए योग्यता और उपयुक्तता उनकी

अनकारी में लाई जाती है, प्रोन्नत कर सकेगा। ये प्रोन्नतियां, संख्या में सीमित होंगी जिससे कि विभागीय प्रोन्नति समिति के कार्यकरण में बाधा न हो। ऐसी प्रोन्नतियां सेवा पुस्तिका में विशेष संकेतन द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। सामान्यतः ऐसी प्रोन्नति किसी व्यक्ति कर्ज वृत्ति में केवल एक बार ही की जा सकता है।

31. सेवा की अध्यावश्यकता के कारण विभागीय परीक्षा में सम्मिलित होने में अध्यावेशित अधिकारियों की असमर्थता :—यदि अध्यावेशित अधिकारियों की अध्यावश्यकताओं के कारण, विभागीय परीक्षा में सम्मिलित होने में समर्थ नहीं है तो विभागीय प्रोन्नति समिति अनन्तसम आधार पर ऐसे अध्यावेशित अधिकारियों की प्रोन्नति की सिफारिश कर सकेगी, परन्तु यह तब जब वे अध्यावश्यकता पूर्णतः प्राप्त हों और शोधप्रतिशोध अवसर, पर ऐसी विभागीय परीक्षाएं अहित कर लें। ऐसे अध्यावेशित अधिकारियों यदि वे विभागीय परीक्षा में अहित होने में असफल रहते हैं, तो उन्हें उनके पूर्ववर्ती रैंक में प्रत्यावर्तित किया जा सकता है।

32. आधारीक पाठ्यक्रमों में असफलता :—सेवा में प्रवेश करने के पश्चात् आधारीक प्रशिक्षण या वृत्तिक/विशेषज्ञ अर्हता में अध्यावेशित अधिकारियों की असफलताओं के मामले वृत्तिक को विचारार्थ निर्देशित किए जाएंगे। जो परीक्षा में असफल रहते हैं उन्हें, वृत्तिक के विवेकानुसार, उस विषय या उन विषयों में, जिनमें वे असफल रहे हैं, और प्रशिक्षण दिये जाएंगे, और उनकी पुनः परीक्षा ली जाएगी। ऐसे अध्यावेशित अधिकारियों, जिन्हें वृत्तिक की राय में और प्रशिक्षण से फायदा नहीं होगा, तटरक्षक मुख्यालय के महानिदेशक के अनुमोदन से "अनुपयुक्त" के रूप में सेवान्मुक्त किया जा सकता है। वे जो दूसरे प्रयास में भी परीक्षा में असफल रहते हैं, तटरक्षक (साधारण) नियम, 1986 में जैसा अनुबन्धित है उसके अनुसार "अनुपयुक्त" के रूप में सेवान्मुक्त किए जा सकते हैं।

33. विभागीय परीक्षा में अवसरों की संख्या :—उस रैंक में सेवा के लिए अनुबन्धित समय के आधा पूरा होने पर, अध्यावेशित अधिकारियों को वृत्तिक पाठ्यक्रम के लिए नामनिर्देशित किया जा सकता है। सामान्यतया किसी व्यक्ति को वृत्तिक पाठ्यक्रम में अहित होने के लिए तीन अवसर दिये जा सकते हैं, और आपराधिक मामलों में, चौथा अवसर महानिदेशक के विवेकानुसार दिया जा सकता है।

उस अध्यावेशित व्यक्ति को, जो उच्चतर रैंक के वृत्तिक/विशेषज्ञ अर्हता पाठ्यक्रम में असफल रहता है, सामान्यतः उसी या किसी अन्य विशेष अर्हता पाठ्यक्रम के लिए तब तक नहीं भेजा जाएगा, जब तक उस पाठ्यक्रम के, जिसमें वह असफल हुआ है या जिससे उसे वापस ले लिया है, पूरा होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि समाप्त न हो गई हो।

34. रैंक में अवतरत के पश्चात् प्रोन्नति :—तटरक्षक मुख्यालय के दण्डादेश द्वारा या संक्षेपतः रैंक में अवतरत अध्यावेशित अधिकारियों, महानिदेशक के विशेष प्राधिकार के बिना जो प्रोन्नति के प्रत्येक स्तर के लिए अपेक्षित है और जिसे तदनुसार मांगा जाएगा, पतः प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। ऐसा आवेदन, सामान्यतया उपाबन्ध 4 से 11 में दी गई बहुत अच्छी आचरण सेवा करके अध्यावेशित अधिकारियों के प्रोन्नति के लिए अहित होने के पश्चात् ही किया जा सकेगा।

35. विभागीय परीक्षा में सम्मिलित होने से इंकार करना :—साधारणतया किसी भी अध्यावेशित व्यक्ति को किसी वृत्तिक पाठ्यक्रम/विभागीय परीक्षा से, जिसके लिए वह तैयार किया गया है, इंकार करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी। कमान अफसर यह सुनिश्चित करेंगे कि अध्यावेशित अधिकारियों उन पाठ्यक्रमों के लिए भेजे जाएं जिनके लिए उनका अध्ययन किया गया है।

36. प्रोन्नति के लिए इंकार करना :—सामान्य परिस्थितियों के अधीन, किसी भी अध्यावेशित व्यक्ति को प्रोन्नति के लिए इंकार करने

की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी। किन्तु, ऐसा इन्कार महानिदेशक के अनुमोदन में विशेष परिस्थितियों के अधीन अनुज्ञात किया जा सकेगा। यदि बाध में कोई व्यक्ति प्रोन्नति की वांछा करता है, तो उससे अपने कमान्तर को इस बारे में आवेदन प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जा सकती है और उसके मामले पर विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा उसके गुणागुण के आधार पर प्रोन्नत व्यक्तियों के प्रागामी बैंक के साथ-साथ विचार किया जाएगा। ऐसा आवेदन, इन्कार करने के एक वर्ष के पश्चात् ही प्रस्तुत किया जा सकेगा।

37. स्वस्थता :- किसी जो अध्यावेशित व्यक्ति का, प्रोन्नति की तारीख को, स्वस्थता प्रवर्ग एस 1 ए 1 या एस 2 ए 2 में होना आवश्यक है।

(2) ऐसे अध्यावेशित कामियों के मामले, जो स्वस्थता प्रवर्ग एस 3 ए 1 एस 3 ए 2 और एस 3 ए 3 (अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से) में रखे गए हैं, बुकिक के भारसाधक अधिकारी के माध्यम से महानिदेशक को भेजे जाएंगे और प्रत्येक मामले पर उनके गुणागुण के आधार पर विचार किया जाएगा। अध्यावेशित व्यक्ति की सेवा पुस्तिका और चिकित्सा बोर्ड कार्यवाही ऐसी सभी सिफारिशों के साथ होनी चाहिए।

(3) स्वस्थता प्रवर्ग एस 4 ए 4 में रखे गए अध्यावेशित कामियों पर उपनियम (1) और (2) में अधिकृत प्रक्रिया के अनुसार प्रोन्नति

के लिए विचार किया जाएगा, जो उस पुनरीक्षित प्रवर्ग पर निर्भर करेगा, जिसमें वे अस्पताल से छुट्टी पर रखे गए हों।

38. गलत प्रोन्नति :- यदि यह पता चलता है कि कोई अध्यावेशित व्यक्ति गलती से प्रोन्नत किया गया है (उदाहरणार्थ जब प्रोन्नत किया गया, तब वह पूर्णतः अहित नहीं था), तो प्रोन्नति रद्द की जा सकेगी। गलत प्रोन्नति की अवधियों के लिए किया गया अधिक संवाध कसूल किया जाएगा।

39. रैंकों और सेवा के प्रति निर्देश :- इन नियमों में नौसेना रैंकों और सेवा के प्रति निर्देश में सेना और वायु सेना में समतुल्य रैंक और सेवा दायगी।

40. शंकाओं का निराकरण :- यदि इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों के निर्वाचन के बारे में कोई शंका उत्पन्न होती है तो वह मामला सरकार या ऐसे अन्य प्राधिकारी को निर्देशित किया जाएगा जो साधारण या विशेष आदेश द्वारा सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए और सरकार या ऐसे अन्य प्राधिकारी का विनिर्णय अन्तिम होगा।

[का. सं. एल. डब्ल्यू./0218]
के० धीनिवासन, संयुक्त सचिव

उपाबन्ध -- 1

प्रोन्नति के लिए अर्हताएं
सामान्य कर्तव्य शाखा अधिकारी (विधि)

क्रम सं.	अर्हताएं	सहायक कमांडेंट से उप कमांडेंट	उप कमांडेंट से कमांडेंट	कमांडेंट से उप महानिरीक्षक	उप महानिरीक्षक से महा निरीक्षक	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. सेवा	6 वर्ष	2 वर्ष	8 वर्ष	6 वर्ष (1)	(1) भूतपूर्व रक्षा सेवा अधिकारियों के लिए 4 वर्ष	
2. समग्र समयावधि	2 वर्ष (2)	सांग नहीं होता	सांगू नहीं होता	सांगू नहीं होता	(2) प्राथमिक परिस्थितियों में महानिदेशक द्वारा समुद्री समयावधि अभिव्यक्त की जा सकती है	
3. सैराफी	हां (3)	सांगू नहीं होता	सांगू नहीं होता	सांगू नहीं होता	(3) प्राथमिक प्रशिक्षण उत्तीर्ण करने के लिए अत्यावश्यक	

उपाबन्ध -- 2

प्रोन्नति के लिए अर्हताएं
सामान्य कर्तव्य शाखा अधिकारी

क्रम सं.	अर्हताएं	सहायक कमांडेंट से उप कमांडेंट	उप कमांडेंट से कमांडेंट	कमांडेंट से उप महा-निरीक्षक	उप महानिरीक्षक से महानिरीक्षक	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. सेवा	6 वर्ष	2 वर्ष	8 वर्ष	6 वर्ष (1)	(1) भूतपूर्व रक्षा सेवा अधिकारियों के मामलों में चार वर्ष	
2. समग्र समयावधि	2 वर्ष	1 वर्ष (2)	2 वर्ष (3)	1 वर्ष (3)	(2) चार वर्ष से अधिक ज्येष्ठता वाले सहायक कमांडेंट के रैंक में बिताई गई समग्र समयावधि उप कमांडेंट से कमांडेंट में प्रोन्नति के लिए समग्र सेवा के लिए गणना में ली जाएगी	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
3. कमिष्ट कमांडेंट पाठ्यक्रम	हां		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	(3) महानिदेशक द्वारा आपावधिक परिस्थितियों में समुद्र समयावधि का अधित्यजन किया जा सकेगा।
4. तैराकी	हां	(4)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	(4) प्राध्वारिक प्रशिक्षण को उत्तीर्ण करने के लिए अत्यावश्यक

उपाबन्ध—3

प्रोन्नति के लिए अर्हताएं
तकनीकी अधिकारी (इंजीनियरी/विद्युत)

क्रम सं.	अर्हताएं	सहायक कमांडेंट से उप कमांडेंट	उप कमांडेंट से कमांडेंट	कमांडेंट से उप महा-निरीक्षक	उप महानिरीक्षक से महानिरीक्षक	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. सेवा		6 वर्ष	2 वर्ष	6 वर्ष	6 वर्ष (1)	(1) भूतपूर्व रक्षा सेवा अधिकारी के मामले में चार वर्ष
2. समुद्र समयावधि		2 वर्ष	1 वर्ष (2)	1 वर्ष (3)	लागू नहीं होता	(2) चार वर्ष से अधिक ज्येष्ठता वाले सहायक कमांडेंट के रैंक में बिताई गई समुद्र समयावधि उप कमांडेंट से कमांडेंट में प्रोन्नति के लिए समुद्र सेवा के लिए गणना में ली जाएगी।
3. तैराकी	हां (4)		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	(3) महानिदेशक द्वारा आपावधिक परिस्थितियों में समुद्र समयावधि का अधित्यजन किया जा सकेगा (4) प्राध्वारिक प्रशिक्षण उत्तीर्ण करने के लिए अत्यावश्यक

उपाबन्ध—4

प्रोन्नति के लिए अर्हताएं
नौसैनिक/अधीनस्थ अधिकारी सामान्य कर्तव्य (नाविक)

क्रम सं.	अर्हताएं	नाविक से उत्तम नाविक	उत्तम नाविक से प्रधान नाविक	प्रधान नाविक से अधिकारी	अधिकारी से उत्तम अधिकारी	उत्तम अधिकारी से प्रधान अधिकारी	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. बहुत अच्छा प्राचरण	1 वर्ष	1 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	
2. सेवा अर्हता	5 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	
3. समुद्र सेवा	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—	
4. वृत्तिक अर्हताएं	उत्तम नाविक पाठ्यक्रम	प्रधान नाविक पाठ्यक्रम	अधीनस्थ अधिकारी 'क्यू' पाठ्यक्रम	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान अधिकारी बोर्ड	—	
5. उप-विशेषज्ञ	जो समय-समय पर महानिदेशक द्वारा प्रख्यापित किया जाए।						विमानन, गोताखोरी के अत्यावश्यक व्यक्तियों और रेडियों प्रचालक को लागू

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
6. तैराकी	अनन्तिम परीक्षण/उत्तीर्ण मानक परीक्षण में उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
7. नेतृत्व पाठ्यक्रम	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	है	है	लागू नहीं होता	—

उपाबन्ध 4 से 11 के लिए टिप्पण — (1) कार्मिक अनन्तिम आधार पर प्रोत्साहित किए जा सकते हैं यदि वे सेवा की अत्यावश्यकताओं के कारण पाठ्यक्रमों के लिए तैनात नहीं किए जा सकते हैं।
 (2) आपदाधिक परिस्थितियों में सहायित्वक द्वारा समुद्र समयावधि अधित्याजित की जा सकती।
 (3) पुनर्नियोजित कार्मिकों के सामने में "बहुत अच्छा आचरण" पुनर्नियोजन सेवा से अधिक नहीं होगा।
 (4) स्कवाड्रन/एयर स्टेशन में सेवा अवधि का विमानन उपविशेषज्ञता के अभ्यावेष्टित व्यक्तियों (सामान्य कर्तव्य और तकनीकी) के लिए समुद्र सेवा के रूप में विचार किया जाएगा।

उपाबन्ध—5

प्रोत्साहित के लिए अर्हताएं—नौसैनिक/अधीनस्थ अधिकारी/सामान्य कर्तव्य (प्रदाय सहायक)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. बहुत अच्छा आचरण	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
2. सेवा अर्हताएं	5 वर्ष	4 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
3. समुद्र सेवा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
4. वृत्तिक अर्हताएं	उत्तम नाविक पाठ्यक्रम	प्रधान नाविक पाठ्यक्रम	अधीनस्थ अधिकारी 'क्यू' पाठ्यक्रम	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान अधिकारी बोर्ड	प्रधान अधिकारी	—
5. तैराकी	अनन्तिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
6. नेतृत्व पाठ्यक्रम	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	है	है	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—

उपाबन्ध—6

प्रोत्साहित के लिए अर्हताएं—नौसैनिक/अधीनस्थ अधिकारी/सामान्य कर्तव्य (सैनिक)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. बहुत अच्छा आचरण	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
2. सेवा अर्हताएं	5 वर्ष	4 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
3. समुद्र सेवा	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
4. वृत्तिक अर्हताएं	उत्तम नाविक पाठ्यक्रम	प्रधान नाविक पाठ्यक्रम	अधीनस्थ अधिकारी 'क्यू' पाठ्यक्रम	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान अधिकारी बोर्ड	प्रधान अधिकारी	—
5. तैराकी	अनन्तिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
6. नेतृत्व पाठ्यक्रम	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	है	है	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—

उपाबन्ध—7

प्रोत्साहित के लिए अर्हताएं—नौसैनिक/अधीनस्थ अधिकारी सामान्य कर्तव्य (धरेलू)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. बहुत अच्छा आचरण	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
2. सेवा अर्हताएं	5 वर्ष	4 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
3. समुद्र सेवा	6 मास	6 मास	6 मास	6 मास	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
4. वृत्तिक अर्हता	उत्तम नाविक पाठ्यक्रम	प्रधान नाविक पाठ्यक्रम	अधीनस्थ अधिकारी 'क्यू' पाठ्यक्रम	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान अधिकारी	—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
5. तैराकी	अन्तिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
6. नेतृत्व पाठ्यक्रम	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	हां	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—

उपाबन्ध—8

प्रोन्नति नियम—नौसैनिक (तकनीकी) अधीनस्थ अधिकारी (समुद्र इंजीनियरी)

क्रम सं.	अर्हताएं	यांत्रिक से उत्तम यांत्रिक	उत्तम यांत्रिक से प्रधान यांत्रिक	प्रधान यांत्रिक से सहायक इंजीनियर	सहायक इंजीनियर से उत्तम सहायक इंजीनियर	उत्तम सहायक इंजीनियर से प्रधान सहायक इंजीनियर	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. बहुत अच्छा आचरण	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	—
2. सेवा अर्हता	2 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	—
3. समुद्र सेवा	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—	—
4. वृत्तिक अर्हता	अन्तिम परीक्षण पदवी प्रमाणपत्र	यूनिट पदवी प्रमाणपत्र	भारतवासी प्रमाणपत्र	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान सहायक इंजीनियर बोर्ड	—	—
5. तैराकी	अन्तिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
6. नेतृत्व पाठ्यक्रम	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	हां	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—

उपाबन्ध—9

प्रोन्नति नियम—नौसैनिक (तकनीकी/अधीनस्थ) तकनीकी (हल इंजीनियरी)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. बहुत अच्छा आचरण	1 वर्ष	1 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	—
2. सेवा अर्हता	2 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	—
3. समुद्र सेवा	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—	—
4. वृत्तिक अर्हता	प्रधान अधिकारी द्वारा सक्षमता प्रमाणपत्र	वृत्तिक परीक्षा प्रादेशिक मुख्यालय बोर्ड	पोल निर्माण प्रशिक्षण प्रशिक्षण विद्यालय में वृत्तिक परीक्षा	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान सहायक इंजीनियर बोर्ड	—	—
5. तैराकी	अन्तिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—	—
6. नेतृत्व पाठ्यक्रम	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	हां	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—

उपाबन्ध—10

प्रोन्नति नियम—नौसैनिक (तकनीकी) अधीनस्थ अधिकारी तकनीकी—(विद्युत्)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(5)	(7)	(8)
1. बहुत अच्छा आचरण	1 वर्ष	1 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	—
2. सेवा अर्हता	2 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—	—
3. समुद्र सेवा	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—	—
4. वृत्तिक अर्हता	कमान अधिकारी द्वारा सक्षमता का प्रमाणपत्र	वृत्तिक परीक्षा प्रादेशिक मुख्यालय बोर्ड	विद्युत् विद्यालय में वृत्तिक परीक्षा	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान सहायक इंजीनियर बोर्ड	—	—
5. तैराकी	अन्तिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—	—
6. नेतृत्व पाठ्यक्रम	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	हां	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—

प्रोत्साहित नियम—नौवैयिक (तकनीकी) अधीनस्थ अधिकारी (तकनीकी) वायुयान इंजीनियरी/वायुयान विद्युत/वायुयान इलेक्ट्रॉनिकी

क्रम सं.	अर्हताएं	यांत्रिक से उत्तम यांत्रिक	उत्तम यांत्रिक से प्रधान यांत्रिक	प्रधान यांत्रिक से सहायक इंजीनियर	सहायक इंजीनियर से उत्तम सहायक इंजीनियर	उत्तम सहायक इंजीनियर से प्रधान सहायक इंजीनियर	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	बहुत प्रशस्त प्राप्ति	1 वर्ष	1 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
2.	सेवा अर्हता	2 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	3 वर्ष	—
3.	समूह सेवा	1 वर्ष	1 वर्ष	1 वर्ष	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
4.	वृत्तिक अर्हता	कमान अधिकारी द्वारा सक्षमता प्रमाणपत्र	वृत्तिक परीक्षा (यूनिट प्रमाणपत्र का दिया जाता)	वृत्तिक परीक्षा (भारतस्थान प्रमाणपत्र का दिया जाता)	उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम	प्रधान सहायक इंजीनियरी बोर्ड	—
5.	तैराकी	अनन्तम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—
6.	नेतृत्व	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	हा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	—

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February, 1987

S.R.O. 6(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (b) and (c) of sub-section (2) of section 123 of the Coast Guard Act 1978 (30 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

PART I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Coast Guard (Seniority and Promotion) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978);

(b) "BUVIK" means Officer-in-Charge of the Bureau of Naviks;

(c) "Coast Guard Region" means,—

(i) the Coast Guard Region, West, comprising of the coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the States of Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Kerala and the Union Territories of Goa, Daman and Diu and Lakshadweep;

(ii) the Coast Guard Region, East, comprising of the coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the States of Andhra Pradesh, Orissa, Tamil Nadu, West Bengal and the Union Territory of Pondicherry; and

(iii) the Coast Guard Region, Andaman and Nicobar Islands, comprising of coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands;

(d) "Government" means the Central Government.

(e) All words and expressions used but not defined in these rules but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

PART II

SENIORITY AND PROMOTION RULES—OFFICERS

3. Basic date.—All officers on joining the Coast Guard Service shall be allocated a basic date. This date shall be the date on which an individual is called upon to report to the Coast Guard ship/authority or the date on which he actually reports or the date of commencement of training, whichever is later. The basic date shall be used for determining his service in the Coast Guard.

4. Seniority of officers.—(1) All officers holding a higher rank shall be senior to officers holding a lower rank.

(2) In a particular rank,—

(i) Inter-se seniority of officers promoted to a particular rank in a branch shall be determined in accordance with the order of merit which shall be prepared by the Departmental Promotion Committee. However, inter-se seniority of officers in a particular rank shall be determined in accordance with the date of substantive promotion to that rank and where two or more officers are promoted to a rank on the same day, their seniority shall be determined in accordance with their seniority in the previous rank. If that also happens to be the same then the basic date and ultimately the date of birth shall be the deciding factor, the elder being the senior.

(ii) officers holding substantive rank shall be senior to officers holding acting rank. Similarly, officers holding acting rank shall be senior to officers holding officiating rank.

(iii) seniority of officers appointed to any rank in an acting or officiating capacity shall be determined in accordance with the seniority in the substantive rank.

5. Seniority of permanently absorbed officers, re-employed officers and directly recruited officers.—(1)(a) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Deputy Inspector General shall be determined from the date of grant of substantive Captain's rank in the Indian Navy or from the date of grant of rank of Deputy Inspector General in the Coast Guard, whichever is earlier.

(b) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Commandant shall be determined from the date arrived at after taking into consideration full service in the rank of substantive Commander and 50 per cent of service in the rank of Lieutenant Commander in the Indian Navy subject to a maximum of 4 years or from the date of grant of Commandant's rank in the Coast Guard, whichever is earlier. Seniority of Lieutenant Commanders absorbed in the rank of Commandant shall be determined from the date of grant of Commandant rank as date dated by 50 per cent of their service in the rank of Lieutenant Commander in the Indian Navy subject to a maximum of 4 years.

(c) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Deputy Commandant shall be determined from the date of completion of five years commissioned service in the Indian Navy.

(d) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Assistant Commandant shall be determined from the date of commission in the Indian Navy.

(2) Seniority of reemployed officers shall be determined as follows :—

(a) Deputy Inspector General.—Date of promotion to substantive rank of Captain in the Indian Navy.

(b) Commandant.—Date of promotion to substantive rank of Commander in the Indian Navy.

(c) Deputy Commandant.—Date of completion of 5 years commissioned service in the Indian Navy.

(d) Assistant Commandant.—Date of commission in the Indian Navy.

Note.—In the event of there being an intervening period between the date of retirement from the Indian Navy and date of re-employment in the Coast Guard, this period will be deducted for the purpose of reckoning seniority in the substantive rank.

(3) Seniority of directly recruited officers and enrolled personnel promoted to the officer rank shall be determined on the basis of the marks obtained during initial training or departmental examination as prescribed by the Director-General as the case may be.

6. Authority for promotion.—The authority for promotion of all officers shall be the Central Government and Departmental Promotion Committee will be constituted as provided in the recruitment rules.

7. Promotion rules.—(1) Officers shall be eligible for promotion against the vacancies occurring in the respective branches to which they belong.

(2) The promotion of officers to the rank of Deputy Commandant shall be made on the basis of their seniority subject to fitness.

(3) The promotion of officer to the rank of Commandant and above shall be made on the basis of merit with due regard to seniority.

(4) The promotion of officers to the rank of Commandant and above shall be on acting basis. They will be confirmed from the date of their promotion on rendering satisfactory service for a period of one year in the higher rank. The service shall be assessed from the Annual Confidential Report rendered on the officers.

8. Officiating promotion.—The Director-General may, with the prior approval of the Government, grant an officiating higher rank to an officer subject to the following conditions :—

(a) Where a short term vacancy is created due to leave, deputation, training, etc. and an officer approved for promotion by Departmental Promotion Committee is not available.

(b) Officiating promotions shall be restricted ; upto the rank of Deputy Inspector General only.

(c) Officiating rank under this rule shall initially be unpaid and shall become paid after twenty-one consecutive

days of duty in the appointment carrying the higher rank from the date of its grant.

(d) An officer granted officiating rank shall not be entitled to claim any seniority in that rank.

(e) An officer granted officiating rank shall cease to hold the rank when he ceases to hold the appointment for which the rank was granted.

(f) Only such officers who have completed the minimum service required for the next rank shall be eligible for this promotion.

(g) The promotion shall normally be made from the officers of the same ship/establishment station.

9. Local ranks.—The Director-General may grant an officer of the Coast Guard any local higher rank whenever considered necessary by him in the interest of better functioning of the service subject to the following conditions :—

(a) The officer shall exercise the command and be vested with the powers of an officer holding that rank.

(b) The officer shall not be entitled to any extra pay and allowances for holding such rank.

(c) The officer shall not be entitled to claim any seniority over other officers of the Coast Guard by virtue of having held such rank.

(d) The officer granted local rank shall cease to hold the rank when he ceases to hold the appointment for which the rank was granted.

10. Qualifications for promotion.—The qualifications for promotion in various branches of the Coast Guard for respective ranks are given in Annexures 1, 2 and 3. The general rules pertaining to these qualifications are :—

(1) Service.—The entire service in the Coast Guard in that rank shall reckon as qualifying service with the exemption of time for which pay is not allowed, such as, time lost during desertion, waiting trial for desertion, extraordinary leave or time during which a person has been out of service for any cause.

(2) Counting of previous service for promotion of Defence Services Officers :—

(a) Permanently absorbed.—(i) In the case of Assistant Commandants who are ex-Naval Officers, their entire Commissioned service shall be counted for promotion to the rank of Deputy Commandant.

(ii) In the case of Deputy Commandants who are ex-Naval officers, their entire commissioned service shall be counted for promotion to the rank of Commandant.

(iii) In the case of Commandants, who are ex-Naval officers, previous service if any, in the rank of Commander in full and 50 per cent of previous service in the rank of Lieutenant Commander subject to a maximum of 4 years shall be counted for promotion to the rank of Deputy Inspector General.

(iv) In the case of Deputy Inspector Generals, who are ex-Naval officers, previous service in the rank of Captain, Indian Navy shall be counted in full for promotion to the rank of Inspector General.

(b) Re-employed.—In the case of re-employed officers their service from the date of re-employment shall be counted for promotion purposes.

Note.—Extraordinary leave granted on medical certificate or due to the inability of the individual to join duty on account of civil commotion or for the purpose of prosecuting studies certified to be in public interest shall be reckoned as qualifying service.

(3) Sea service.—Sea service shall consist of duties performed on a Coast Guard ship on permanent duty for the period specified in the relevant annexure. For administrative

convenience, this sea service may not be continuous and as long as the entire period constitutes the minimum stipulated sea service, it shall be deemed to have met the essential requirement.

(4) Swimming.—Passing the swimming test shall be an essential condition for qualifying in the basic training course. Officers who do not qualify in the swimming test on completion of this course may be liable for discharge from the service.

(5) Training and treatment of failures.—On entry officers of the respective branches will undergo successfully basic training, technical courses and specialisation as specified by Director-General from time to time. The consequences of failure shall be as follows :—

(i) Basic training.—Cases of failure in the examination shall be referred to Director-General for consideration. Those who fail in the examination may, at the discretion of the Director-General, be given further training in the subject or subjects in which they have failed and be re-examined. Such of these officers, who in the opinion of Director-General will not benefit by further training, shall be liable to be discharged from the service as unsuitable. Those who fail in the examination at the second attempt shall also be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(ii) Technical courses.—Officers failing in not more than 2 subjects in any one course but obtaining pass marks for that course shall be given further instructions and re-examined in the subject or subjects in which they have failed.

Officers failing to obtain pass marks for the course or failing in more than 2 subjects shall be required to do the whole course again.

Removal of probation of officers failing in technical courses shall be delayed to the extent of duration as shown below :—

- | | |
|--|-------------|
| (a) Course of more than 4 weeks duration | — 2 months. |
| (b) Courses of 4 weeks or less duration | — 1 month. |

Officers passing on re-examination shall be given a 'Pass' class and awarded minimum passing marks for the course.

Those who fail in the examination at their second attempt shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(iii) Seaman's board (only for General Duty officers).—Assistant Commandants (General Duty) who fail to qualify in the Seaman's Board may be required to repeat this phase of training with the subsequent course. They may also be delayed in their removal from probation by six months. Those who fail at the second attempt shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(iv) Specialisation courses (only for Technical Officers with electrical/engineering specialisation).—Technical Officers with electrical/engineering specialisation who fail to qualify in the final examination of the specialisation course or courses shall be put back a term at the conclusion of which they shall be re-examined. The officers shall also be delayed in their removal from probation by 6 months. The officer failing twice in the final examination of these specialisation courses shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(v) Watch Keeping Certificate (for General Duty officers only).—Assistant Commandants (General Duty) who fail to obtain a Watchkeeping Certificate on completion of their initial training, will be required to continue this phase of training for a duration recommended by Commanding Officer/Board of Officers and re-examined. However, such duration is

not to exceed six months. Their removal from probation shall be delayed correspondingly. Those who fail to qualify in re-examination shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(vi) Air crew conversion on type (General Duty, Pilot/ Navigators only).—Assistant Commandants (General Duty) Pilot/Navigator who fails to complete Air crew conversion training on type, shall be liable to be discharged from service as unsuitable.

(vii) Award of Engine Room Watch Keeping Certificate/ Certificate of Competency of Electrical Specialisation (Assistant Commandant Technical Engineering/Electrical).—Assistant Commandants (Technical) who fail to obtain Engine Room Watch Keeping Certificate/Certificate of Competency of Electrical specialisation during their afloat training shall be required to continue this phase of training for the duration recommended by the Commanding Officer/ Board of Officers. However, such duration is not to exceed six months. Their removal from probation will be delayed correspondingly. Those who fail to qualify in re-examination shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

11. Refund of cost of training.—If an officer from any Branch in the Coast Guard requests to be withdrawn from any phase of the training or resigns during the probationary period and such request or resignation is accepted by the Government, he shall be required to refund the cost of training in whole or in part as may be determined by the Government and all money received by him as pay and allowances from the Government together with interest on the said amount calculated at the rate in force for Government loans.

12. Probation.—(1) On entering into service direct recruit officer shall be on probation for the period specified in the relevant recruitment rules or till such time as the officer completes his professional training, passes swimming test, qualifies for award of watch keeping certificate in the General Duty Branch award of wings in General Duty (Pilot/Navigator) branch awarded engine room watch keeping certificate/awarded certificate of competency of specialisation in the engineering and electrical specialisations respectively of the technical branch or such other courses as may be prescribed, by the Director-General, whichever is later.

(2) The period of probation may be extended beyond the period specified in the relevant recruitment rules by one year with the approval of the Central Government.

(3) As long as no specific orders of satisfactory completion of probation are issued to a probationer, such probationer shall be deemed to have continued on probation.

13. Refusing promotion.—Generally no officer shall be permitted to refuse promotion. However, such refusal may be permitted under special circumstances with the approval of the Government. If subsequently, the officer desires to be promoted, he may be required to submit an application to Director-General in this regard through his Commanding Officer, and his Administrative Authority and the case shall be considered on its merits by the Departmental Promotion Committee along with the next batch of promotees. Such an application can be submitted only after one year of the date of refusal.

14. Medical.—The officer must be in medical categories S1A1, S2A2, or S2A3 on the date of promotion. Cases of officers who are placed in medical categories S3A1, S3A2 and S3A3 temporarily or permanently shall be forwarded through Administrative Authority to Director-General and each case shall be considered on its merit. The Medical Board proceedings should accompany all such recommendations which must also contain the date from which the Departmental Promotion Committee approved the individual for promotion.

15. Officers of lower medical categories.—Officers placed in medical category S4A1 shall be considered for promotion in accordance with the procedure laid down in rule 14 depending upon the revised medical category in which they are placed on discharge from the hospital.

16. **Erroneous promotion.**—If it is discovered that an officer has been promoted wrongly (for example he was not fully qualified when promoted) the promotion may be cancelled. Excess payments made for the period of erroneous promotion shall be recovered.

PART III

PROMOTION RULES—ENROLLED PERSONS

17. **Basic date.**—All personnel on joining the Coast Guard Service shall be allocated a basic date. This shall be the date on which an individual is called upon to report to the Coast Guard ship/authority or the date on which he actually reports or the date of commencement of training whichever is later. The basic date shall be used for determining his service in the Coast Guard.

18. **Seniority.**—(1) The seniority of Enrolled Persons shall be decided on the basis of the merit list drawn upon completion of basic training courses for their respective branches.

(2) Inter-se seniority of enrolled persons promoted to a particular rank in one branch shall be determined in accordance with the order of merit which shall be prepared by the Departmental Promotion Committee. However, inter-se seniority of enrolled persons in a particular rank shall be determined in accordance with the date of promotion to that rank and if that happens to be the same, then it shall be determined in accordance with the seniority in the previous rank or ranks. If that also happens to be the same, then the date of birth will be the deciding factor, the elder being the senior.

(3) The seniority of enrolled persons on transfer from the Army/Navy/Air Force shall be fixed with reference to date of transfer to Coast Guard or the provisions of the respective recruitment rules whichever is applicable.

(4) Seniority of enrolled persons re-employed shall be determined from the date of re-employment in the rank.

19. **Promotion rules.**—(1) Enrolled persons shall be eligible for promotion against the vacancies occurring in their respective cadre to which they belong.

(2) The promotion of enrolled persons shall be effected by selection/non-selection method as stipulated in the respective recruitment rules.

20. **Qualifications for promotion.**—The qualifications for promotion in various branches of the Coast Guard for respective ranks are given in Annexures 4 to 11. The general rules pertaining to these qualifications are :—

(1) **Service.**—The entire service in the Coast Guard in that rank shall reckon as qualifying service with the exception of time for which pay is not allowed, such as, time lost during imprisonment, detention, desertion, waiting trial for desertion, extraordinary leave or time during which a person has been out of service for any cause.

Note : 1. Extraordinary leave granted on medical certificate or due to the inability of the individual to join duty on account of civil commotion or for the purpose of prosecuting studies certified to be in public interest shall be reckoned as qualifying service.

2. Service rendered in the Army/Navy/Air Force shall also be counted as provided in the recruitment rules. Normally Naviks transferred from one branch to another will not be allowed to count time served in their previous branch for promotion purposes in the branch to which they are transferred, however, the following exceptions may be made, namely :—

(i) Where the transfer is effected to meet service requirements.

(ii) Where the transfer is effected on medical grounds.

(iii) Where an individual is reverted to his original branch after a change of branch, on being found unsuitable.

(iv) Where the transfer is between specialisations of the same branch, such as, Navik (General Duty) seaman or store assistant.

(2) **Very Good Conduct.**—The minimum period of Very Good Conduct necessary for promotion to various ranks is given in Annexures 4 to 11.

(3) **Departmental examinations.**—A pass in professional examination or professional and specialist examination as stipulated in Annexures 4 to 11 for the respective ranks and branches shall be treated as pass in departmental examination.

(4) **Sea service.**—Sea service shall consist of duties performed on board a coast Guard Ship on permanent duty for the period specified in the relevant annexure. For administrative convenience, this sea service may not be continuous and as long as the entire period constitutes the minimum stipulated sea service, it shall be deemed to have met the essential requirement.

(5) **Swimming.**—An individual who has not passed the swimming test may be recommended for promotion by the Departmental Promotion Committee and promoted subject to the condition that he passes the test at the earliest date in which case he shall be promoted as per his original seniority in that rank. Enrolled persons who do not pass the test before the meeting of the next Departmental Promotion Committee, are liable to forfeit their original seniority and be required to be considered afresh along with other personnel eligible for promotion.

21. **Authority for promotion.**—The recommendation for promotion/confirmation/extension of probationary period shall be made by the Departmental Promotion Committee. The Departmental Promotion Committee shall take into consideration the reservation, relaxation of age limit and other concession required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other specialist categories of persons in accordance with the order issued by the Government from time to time in this regard. Nomination of officers for Departmental Promotion Committee shall be by the respective Administrative Authorities as directed by the Coast Guard Headquarters. The Promotion/confirmation/extension of probationary period shall be intimated by the BUVIK after approval of the proceedings of the Departmental Promotion Committee by the Director-General.

22. **Leadership course.**—Qualifying in the leadership course is essential for promotion from Pradhan Navik to Adhikari and Pradhan Yantrik to Sahayak Engineer.

23. **Probation.**—The period of probation shall be as stipulated in the respective recruitment rules. As long as no specific orders of satisfactory completion of probation are issued to a probationer, such probationer shall be deemed to have continued on probation.

The period of probation can be extended by a period of two years by appointing authority on the recommendations of the Departmental Promotion Committee. Extension of probation beyond 4 years shall be made with the approval of Government. Enrolled persons who do not complete the period of probation satisfactorily are liable to be reverted to their former rank or discharged from service.

24. **Reservation for unsuitability.**—Uttam Navik/Uttam Yantrik and above who are unable to perform their duties adequately for want of knowledge or inability or who are considered to be unsuitable for the higher rank are liable to be reverted to a lower rank.

25. **Reversion.**—Reversion is not a punishment and shall never be used as a means of dealing with an offence but the character of an offence or offences for which an enrolled personnel has been punished may be such as to show that the individual professionally unsuitable for the rank he holds in which case consideration may be given to reversion under the procedure given below.

26. **Limits of reversion.**—No enrolled person shall be reduced in his rank more than one rank at a time.

27. Authority for reversion.—In all cases of reversion the Authority will be vested in the Director-General.

28. Procedure.—(1) The normal procedure when an enrolled person shows a want of knowledge or ability or appears unsuitable (other than for reasons coverable by disciplinary action) is that he shall be interviewed by his Head of Department. He shall be informed of his shortcomings and, where reversion is contemplated, he may be formally warned, in writing, that if no improvement occurs, his case will be reported to the Commanding Officer with a view to reversion.

(2) When the character of a proved offence is such as to show that the enrolled person is unsuitable for his rank, either professionally or for reasons other than those coverable by disciplinary action, the case shall be dealt with by the Commanding Officer without following the procedure laid down in sub-rule (1).

(3) The Commanding Officer shall formally investigate all cases where reversion is in question. The enrolled person shall be allowed to defend his case with the assistance, if he so wishes, of an officer who need not necessarily be the enrolled person's Divisional Officer. The Commanding Officer shall apply for reversion to the Director-General under advice to the Administrative Authority and the Officer-in-Charge BUVIK and Enrolled Person is to be informed accordingly. The service book of the enrolled person must accompany such applications.

(4) The Administrative Authority on receiving an application for reversion may direct that the enrolled person is to serve for a further period of trial in the same or another ship, if he considers that this additional service is justified. The Administrative Authority is to thereafter constitute a board of 3 officers to assess the professional competence of the enrolled person and submit its recommendation along with recommendations of the Commanding Officer to Director-General.

(5) When reversion has been approved by the Director-General, the decision shall be communicated to the enrolled person by the Commanding Officer, this being the effective date of reversion.

29. Promotion after reversion.—An enrolled person may be placed before the Departmental Promotion Committee for reinstatement to his original rank six months after his reversion. Based on the recommendations of the Commanding Officer, the Departmental Promotion Committee may clear enrolled person for promotion based on his original seniority. In all such cases the individual shall be on probation for a minimum of one year. Time served in the higher rank before reversion shall count for further promotion after the rank has been restored.

30. Promotion by Director-General.—Director-General may promote a limited number of outstanding enrolled personnel even though not fully qualified, whose abilities and fitness for higher rank are brought to his notice. The promotions shall be limited in number so as not to interrupt the normal working of the Departmental Promotion Committee. Such promotions shall be distinguished by a special notation in the service book. This promotion may normally be restricted to once in an individual's career.

31. Inability of Enrolled Personnel to undergo Departmental examination due to exigency of service.—In the event of enrolled personnel not being able to undergo departmental examination due to exigencies of service, the Departmental Promotion Committee may recommend promotion of such enrolled personnel on provisional basis provided they are fully eligible otherwise and qualify such departmental examinations at the earliest opportunity. Such enrolled personnel may be liable for reversion to their former rank in case they fail to qualify in the departmental examination.

32. Failure in basic courses.—The cases of enrolled personnel failures in the basic training or professional/specialist qualification courses on entry into service shall be referred to BUVIK for consideration. Those who fail in the examination may at the discretion of BUVIK be given further training in the subject or subjects in which they have failed and be re-examined. Such enrolled personnel who in the opinion of BUVIK will not benefit by further training

shall be liable to be discharged from service as 'unsuitable' with the approval of the Inspector General in the Coast Guard Headquarters. Those who fail in the examination at the second attempt, shall also be liable to be discharged from the service as 'unsuitable', as provided in the Coast Guard (General) Rules, 1986.

33. Number of chances in Departmental examination.—(1) On completion of half the time stipulated for service in that rank, enrolled personnel may be nominated for professional courses. Normally an individual may be given three chances to qualify in a professional course and in exceptional cases a fourth chance may be given at the discretion of the Director-General.

(2) An enrolled person who fails in higher rank professional/specialist qualification course should not normally be sent to undergo the same or any other specialist qualifications course until a period of one year has elapsed since the date of completion of the course in which he failed or from which he has been withdrawn.

34. Promotion after reduction in rank.—Enrolled Personnel reduced in rank by sentence of Coast Guard Court or summarily shall not be re-promoted without the special authority of the Director-General which shall be required for each step of promotion and is to be sought accordingly. This application may normally be made only after the enrolled personnel have qualified for promotion by rendering Very Good Conduct Service given in Annexures 4 to 11.

35. Refusal to undergo Departmental examination.—Generally no enrolled person shall be allowed to refuse a professional course/departmental examination for which he has been detailed. Commanding Officers are to ensure that enrolled personnel are sent for the courses for which they are selected. Refusal to comply with instructions to undergo a course shall render an individual ineligible for consideration for all further courses/examinations for a period of one year.

36. Refusing promotion.—Under normal circumstances no enrolled person shall be permitted to refuse promotion. However, such refusal may be permitted under special circumstances with the approval of the Director-General. If subsequently, the individual desires to be promoted he may be required to submit an application in this regard to his Commanding Officer and his case shall be considered on its merits by the Departmental Promotion Committee along with the next batch of promotees. Such an application may be submitted only after a year of the refusal.

37. Medical.—(1) An enrolled person must be in the medical category S₁A₁ or S₂A₂ on the date of promotion.

(2) Cases of enrolled personnel who are placed in medical categories S₂A₁, A₃A₂ and S₁A₃ (temporarily or permanently) shall be forwarded to Director-General through Officer-in-Charge BUVIK and each case shall be considered on its merit. The service book of the enrolled person and the Medical Board proceeding should accompany all such recommendations.

(3) Enrolled personnel placed in medical category S₁A₄ shall be considered for promotion in accordance with the procedure laid down in sub-rules (1) and (2) depending upon the revised medical category in which they are placed on discharge from hospital.

38. Erroneous promotion. If it is discovered that an enrolled person has been promoted wrongly (for example he was not fully qualified when promoted) the promotion may be cancelled. Excess payment made for the periods of erroneous promotion shall be recovered.

39. Reference to rank and service.—In these rules a reference to Naval ranks and service shall cover equivalent ranks and service in the Army and the Air Force.

40. Removal of doubts.—If any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of these rules, the matter shall be referred to the Government or such other authority as may be specified by the Government by general or special order and the decision of the Government of such other authority shall be final.

[K. SRINIVASAN, J. P.]

Annexure 1

Qualifications for Promotion
OFFICERS GENERAL DUTY BRANCH (LAW)

Serial number	Qualifications	Assistant Commandant to Deputy Commandant	Deputy Commandant to Commandant	Commandant to Deputy Inspector General	Deputy Inspector General to Inspector General	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. Service		6 Years	2 Years	8 Years	6 Years (1)	(1) 4 Years for ex-defence service officers,
2. Sea Time		2 Years (2)	Not applicable	Not applicable	Not applicable	(2) Sea time may be waived by Director-General in exceptional circumstances.
3. Swimming		Yes (3)	Not applicable	Not applicable	Not applicable	(3) Essential for passing basic training.

Annexure 2

Qualifications for Promotion
OFFICERS GENERAL DUTY BRANCH

Serial number	Qualifications	Assistant Commandant to Deputy Commandant	Deputy Commandant to Commandant	Commandant to Deputy Inspector General	Deputy Inspector General to Inspector General	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. Service		6 Years	2 Years	8 Years	6 Years (1)	(1) Four years in the case of ex-defence service officers.
2. Sea Time		2 Years	1 Year (2)	2 Years (3)	1 Year (3)	(2) Sea time done in the rank of Assistant Commandant with more than 4 years seniority will be counted towards sea time for promotion from Deputy Commandant to Commandant
3. Junior Commandant's Course		Yes	Not applicable	Not applicable	Not applicable	(3) Sea time may be waived in exceptional circumstances by Director-General.
4. Swimming		Yes (4)	Not applicable	Not applicable	Not applicable	(4) Essential for passing basic training.

Annexure 3

Qualifications for Promotion
Officers Technical (Engineering/Electrical)

Serial number	Qualifications	Assistant Commandant to Deputy Commandant	Deputy Commandant to Commandant	Commandant to Deputy Inspector General	Deputy Inspector General to Inspector General	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. Service		6 Years	2 Years	8 Years	6 Years (1)	(1) 4 years in case of ex-defence service officer.
2. Sea Time		2 Years	1 Year (2)	1 Year (3)	Not applicable	(2) Sea time done in the rank of Assistant Commandant with more than four years seniority will be counted towards sea time for promotion from Deputy Commandant to Commandant.
3. Swimming		Yes (4)	Not applicable	Not applicable	Not applicable	(3) Sea time may be waived in exceptional circumstances by Director-General. (4) Essential for passing basic training.

Annexure-4

**QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS
GENERAL DUTY (SEAMAN)**

Serial number	Qualifications	Navik to Uttam Navik	Uttam Navik to Pradhan Navik	Pradhan Navik to Adhikari	Adhikari to Uttam Adhikari	Uttam Adhikari to Pradhan Adhikari	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. Very Good Conduct		1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2. Service Qualification		5 Years	4 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3. Sea Service		1 Year	1 Years	1 Year	Not applicable	Not applicable	—
4. Professional Qualifications		Uttam Navik Course	Pradhan Navik Course	Subordinate Officer 'Q' Course	Uttam Adhikari Course	Pradhan Adhikari Board	—
5. Sub-Specialist Qualifications		As promulgated by the Director-General from time to time.					Applicable to Enrolled Persons of Aviation, Diving and Radio Operator.
6. Swimming		Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
7. Leadership Course		Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	—

NOTE FOR ANNEXURE 4 TO 11

1. Personnel may be promoted on provisional basis if they cannot be detailed for courses due to exigencies of service.
2. Sea time may be waived by Director-General in exceptional circumstances.
3. 'Very Good' conduct in case of re-employed personnel shall not be more than the re-employed service.
4. Tenure in squadron/Air Station will be considered as sea service for Enrolled persons (General Duty and Technical) of Aviation sub-specialization.

Annexure-5

**QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS/GENERAL DUTY
(SUPPLY ASSISTANT)**

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. Very Good Conduct		1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2. Service Qualifications		5 Years	4 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3. Sea Service		Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
4. Professional Qualifications		Uttam Navik Course	Pradhan Navik Course	Subordinate Officers 'Q' Course	Uttam Adhikari Course	Pradhan Adhikari Board	—
5. Swimming		Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
6. Leadership Course		Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	—

Annexure-6

**QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS/GENERAL DUTY
(MECHANICAL)**

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. Very Good Conduct	1 Year	1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2. Service Qualifications	5 Years	4 Years	4 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3. Sea Service	1 Year	1 Year	1 Year	1 Year	Not applicable	Not applicable	—
4. Professional Qualifications	Uttam Navik Course	Pradhan Navik Course	Subordinate Officers 'Q' Course	Uttam Adhikari Course	Pradhan Adhikari Board		—
5. Swimming	Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
6. Leadership Course	Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—

Annexure- 7

**QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS GENERAL DUTY
(DOMESTIC)**

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. Very Good Conduct	1 Year	1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2. Service Qualifications	5 Years	4 Years	4 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3. Sea Service	6 months	6 months	6 months	6 months	Not applicable	Not applicable	—
4. Professional Qualifications	Uttam Navik Course	Pradhan Navik Course	Subordinate Officers 'Q' Course	Uttam Adhikari Course	Pradhan Adhikari Board		—
5. Swimming	Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
6. Leadership Course	Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—

Annexure-8

PROMOTION RULES—SAILORS (TECHNICAL) SUBORDINATE OFFICERS (MARINE ENGINEERING)

Serial number	Qualifications	Yantrik to Uttam Yantrik	Uttam Yantrik to Pradhan Yantrik	Pradhan Yantrik to Sahayak Engineer	Sahayak Engineer to Uttam Sahayak Engineer	Uttam Sahayak Engineer to Pradhan Sahayak Engineer	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. Very Good Conduct	1 Year	1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2. Service Qualification	2 Years	2 Years	2 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3. Sea Service	1 Year	1 Year	1 Year	1 Year	Not applicable	Not applicable	—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
4. Professional Qualification		Internal Combustion Engine Watch Keeping Certificate	Unit Watch Keeping Certificate	Charge Certificate	Uttam Adhikari Course	Pradhan Sahayak Engineer Board	
5. Swimming		Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
6. Leadership Course		Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	—

Annexure-9

PROMOTION RULES—SAILORS (TECHNICAL)/SUBORDINATE OFFICERS (TECHNICAL)
(HULL ENGINEERING)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. Very Good Conduct		1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2. Service Qualification		2 Years	2 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3. Sea Service		1 Year	1 Year	1 Year	Not applicable	Not applicable	—
4. Professional Qualification		Certificate of Competency by Commanding Officer	Professional Examination Regional Headquarters Board	Professional Examination in Ship Wright Artificer Training School	Uttam Adhikari Course	Pradhan Sahayak Engineer Board	—
5. Swimming		Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
6. Leadership Course		Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	—

Annexure-10

PROMOTION RULES—SAILORS (TECHNICAL)/SUBORDINATE OFFICERS TECHNICAL (ELECTRICAL)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. Very Good Conduct		1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2. Service Qualification		2 Years	2 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3. Sea Service		1 Year	1 Year	1 Year	Not applicable	Not applicable	—
4. Professional Qualification		Certificate of Competency by Commanding Officer	Professional Examination Regional Headquarters	Professional Examination in Electrical School	Uttam Adhikari Course	Pradhan Sahayak Engineer Board	—
5. Swimming		Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
6. Leadership Course		Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	—

**PROMOTION RULES—SAILORS (TECHNICAL)/SUBORDINATE OFFICERS (TECHNICAL)
(AIR ENGINEERING/AIR ELECTRICAL/AIR ELECTRONICS)**

Serial number	Qualifications	Yantrik to Uttam Yantrik	Uttam Yantrik to Pradhan Yantrik	Pradhan Yantrik to Sahayak Engineer	Sahayak Engineer to Uttam Sahayak Engineer	Uttam Sahayak Engineer to Pradhan Sahayak Engineer	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	Very Good Conduct	1 Year	1 Year	3 Years	4 Years	3 Years	—
2.	Service Qualification	2 Years	2 Years	3 Years	4 Years	3 Years	—
3.	Sea Service	1 Year	1 Year	1 Year	Not applicable	Not applicable	—
4.	Professional Qualification	Competency Certificate by Commanding Officer	Professional Examination (Award of Unit Certificate)	Professional Examination (Award of Change Certificate)	Uttam Adhikari Course	Pradhan Sahayak Engineer Board	—
5.	Swimming	Passed Provisional Test/Passed Standard Test	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	—
6.	Leadership Course	Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable	—